लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 16 जनवरी 2023

PAGE NO : 5 BOTTOM

नाटक

एसआरएमएस रिद्धिमा में नई दिल्ली के बेला थिएटर कारवां की ओर से आयोजित हुआ कार्यक्रम

गधे की बारात का मंचन कर दर्शकों को गुदगुदाया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार को नई दिल्ली के बेला थिएटर कारवां की ओर से नाटक गधे की बारात का मंचन हुआ। हरिभाई वडगाओंकर लिखित और अमर शॉ की ओर से निर्देशित ये नाटक समाज के दोहरे मापदंड पर एक व्यंग है, जिसमें अमीर और गरीब के बीच की खाई को दिखाया गया।

नाटक में दिखाया कि किस तरह समय बदल जाता है, लेकिन अमीर और गरीब के बीच की खाई कभी कम नहीं होती। नाटक की शुरुआत इंद्र के दरबार से होती है। जहां एक अप्सरा नृत्य कर रही है। तभी नशे में धुत चित्रसेन उसका हाथ पकड़ लेता है। इस पर इंद्र चित्रसेन को मृत्यु लोक में गधे के रूप में जाने का श्राप देते हैं। चित्रसेन के माफी मांगने पर इंद्र कहते हैं कि मृत्यु लोक में अंधेर नगरी चौपट राजा की बेटी से विवाह करने के बाद वो श्राप मुक्त हो जाएगा। श्राप मिलने के बाद चित्रसेन धरती पर आकर गधे के रूप में कल्लू के घर पहुंचता है। वहां का राजा सत्यधर्म वर्मा, जनता में लोकप्रियता हासिल करने के लिए घोषणा करता है कि अगर कोई एक रात में राज महल से कुम्हार वाड़ा तक पुल बना देगा और राज्य में गरीब और अमीर के बीच अंतर को समाप्त कर देगा तो उसके साथ मैं अपनी बेटी राजकुमारी सत्यवती की शादी कर दूंगा। गधा बना चित्रसेन कल्लू से इस चुनौती को स्वीकार करने के लिए कहता है। चित्रसेन देव लोक से धरती लोक पर आया होता है, इसलिए वो रात भर में पुल का निर्माण कर देता है और उसका विवाह राजा की पुत्री से हो जाता है। राजा की पुत्री से शादी होने के बाद वह राजमहल चला जाता है और गरीब कल्लू जिसने उसे लंबे समय तक पाला वो वहीं गरीब का गरीब ही रह जाता है। नाटक में अमर शाह (कल्लू), करन कुकरेजा (चित्रसेन), अभिराणा (राजा), अनुराग सिंह (दीवान), मीनू राठी (राजकुमारी), हरीश नायक (फूफा), अलंकृत श्रीवास्तव (पंडित), अनंदिता डे (गंगी) ने अपनी भूमिकाएं निभाईं। इस मौके पर ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ब्रह्मा मूर्ति, गिरिधर गोपाल खंडेलवाल, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. रीता शर्मा रहे।

एसआरएमएस रिद्धिमा की ओर से आयोजित नाटक के दौरान मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार